दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर-273001

(नैक प्रत्यायित 'B' श्रेणी)

सम्बद्ध

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ : 0551-2334549
फैक्स नं0 : 0551-2334549
: 9792987700
e-mail : dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

दिनांक 18.02.2020

प्रकाशनार्थ

दिनांक 18.02.2020 गोरखपुर। दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गोरखपुर में विज्ञान विभाग के बी.एससी तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों के विदाई समारोह दो सत्रों में आयोजित हुआ प्रथम सत्र में महाविद्यालय के शिक्षक श्री विवेक शाही मनोविज्ञान विभाग द्वारा तनाव प्रबन्धन की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि तनाव मूल रूप से विर्घषण है। हमारा शरीर लगातार बदलते वतावरण के साथ समायोजन करते हुए इसका अनुभव करता है। हम पर इसके शारीरिक तथा मानसिक प्रभाव होते है जो सकारात्मक या नकारात्मक दोनो ही तरह के हो सकते है। सकारात्मक दृष्टिकोण से, तनाव हमें मुश्किल हालात से जूझने की प्रेरणा और ताकत देता है नकारात्मक प्रभाव देखे तो यह हमारे मानसिक और शारीरिक स्वास्थ का विनाश भी करता है।

कार्यक्रम के द्वितीय सत्र में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमे सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रभारी श्री सुरेन्द्र चौहान, प्राचीन इतिहास विभाग ने विद्यार्थियो को सम्बोधित करते हुए बताया कि संस्कृति की रक्षा करने के लिए हमें महाविद्यालयों में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन करना चाहिए। परन्तु यह जानना अतिआवश्यक है कि संस्कृति का अर्थ मनोरंजन नही है बल्कि संस्कृति मनुष्य की वह सृजनात्मक गतिविधि है जो उसे प्राकृतिक स्थितियों से उपर उठाती है उसके आहार व निद्रा आदि स्वाभाविक प्रवृत्तियो को मुल्य व्यवस्था से नियामित और नियत्रिंत करती है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि वैसे तो विदाई शब्द ही व्यक्ति को संवेदना के उत्कर्ष तक पहुचा देता है। यह अवसर आपको कुछ नया सृजन करने की सोच देता है। यदि आप के मार्ग में कोई भी बाधा व्यवधान उत्पन्न करें तो आप उसे अपने सार्थक प्रयास से अपने मंजिल की सीढ़िया बना लो। आप में असीम उर्जा है। जरूरत है उस उर्जा को सही दिशा में प्रयोग करने की। अपनी क्षमता को पहचानों और पूर्ण मनोयोग से अपने लक्ष्य का निर्धारण करते हुए अपने को समर्पित कर दो, आप को अपना साध्य प्राप्त हो जायेगा। जीवन में अनुशासन की महत्ता को बताते हुए उन्होने कहा अनुशासित व्यक्ति ही शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रह सकता है और ऐसे व्यक्तियों से ही स्वस्थ समाज और सशक्त राष्ट्र का निर्माण होता है।

कार्यक्रम की शुरूआत मॉ सरस्वती की प्रतिमा पर पुष्पांजलि के साथ प्रारम्भ हुआ। इस अवसर पर छात्र/छात्राओं ने सरस्वती वन्दना,स्वागत गीत, देश भक्ति गीत तथा मनमोहक गीतो को प्रस्तुत कर लोगो का ध्यान अपनी ओर अकार्षित किया तथा एक दूसरे को बधाई भी दी।

विज्ञान संकाय के प्रभारी डॉ. पवन कुमार पाण्डेय ने छात्र/छात्राओं से कहा कि आपके उन्नयन के लिए सभी शिक्षक प्रयास करते है इसलिए आप सभी का यह फर्ज है कि शिक्षक द्वारा बताये पथ पर चल कर ही आप उन्नति के मार्ग पर अग्रसर हो सकते है।

कार्यक्रम का संचालन बी.एससी द्वितीय वर्ष के छात्र हिमाशु और अनुश्री चौधरी ने किया । तथा कार्यक्रम का सयोजन एम.एससी प्रथम वर्ष के विद्यार्थी हिमाशु गुप्ता, चादनी, मानसी और अनुश्री चौधरी ने किया। कार्यक्रम के अन्त में आभार ज्ञापन डॉ. किर्ति कुमार जयसवाल द्वारा किया गया। विभाग के डॉ. सुरज शुक्ला, डॉ. नीतेश शुक्ला, डॉ. अजेय तिवारी, श्री राजीव श्रीवास्तव व श्रमती अनुराधा सिंह ने भी छात्र/छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दी।

इस अवसर पर डॉ. आर.पी.यादव, डॉ. शैलेश कुमार सिंह, सहित समस्त शिक्षक व कर्मचारी उपस्थित रहें।

भवदीय

डॉ.(शैलेश कुमार सिंह)
मीडिया-प्रभारी